पाठ 9
नींव की ईंट

Date ___/___/______ Page No.: ______

मौखिक प्रश्नोत्तर -

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक ग० में दीजिए -

प्र०-क) दुनिया क्या देखती है ?

उ० - दुनिया ऊपर के आवरण की चमक-दमक देखती है।

प्र०ख - हम नींव के गीत क्यों नहीं गाते ?

उ० हम नींव के बलिदान के कारण उसके गीत नहीं गाते है।

प्र०ग-सुंदर सृष्टि क्या चाहती है ?

उ० सुंदर सृष्टि हमेशा बलिदान चाहती है।

प्र०घ-ईसाई धर्म को किसने अमर बनाया ?

उ० ईसाई धर्म को ईसा की शहादत ने अमर बनाया।

प्र०ङ०-नए समाज के निर्माण के लिए क्या चाहिए?

उ०- हमें नए समाज के निर्माण के लिए नींव की ईंट चाहिए।

लिखित -

प्र०क- नींव की ईंट और कँगूरे की ईंट, दोनों क्यों वंदनीय है ?

उ० नींव और कँगूरे की ईंट इसलिए वंदनीय हैं क्योंकि नींव की ईंट इमारत को मजबूती और पुख्तापन प्रदान करती है और कँगूरे की ईंट इमारत को सुंदरता प्रदान करती है।

Date ___/___/___ Page No.: ______

प्र॰ख- नींव की ईंट ने अपने लिए अंधकूप क्यों कबूल किया ?

उ॰- नींव की ईंट ने अपने लिए अंधकूप इसलिए कबूल किया कि ऊपर के उसके साथियों को स्वच्छ हवा मिलती रहे और सुनहली रोशनी भी मिलती रहे।

प्र॰ग- गिरजाघर के कलश किनकी सहायता से चमकते है ?

उ॰- गिरजाघर के कलश उन लोगों की शहादत से चमकते है जिन्होंने ईसाई धर्म के प्रचार में अपने को अनाम उत्सर्ग कर दिया।

प्र॰घ- विदेशी वृत्रासुर का क्या तात्पर्य है ? वे कौन थे ?

उ॰- वृत्रासुर एक राक्षस था। उसके नाश के लिए दधीचि ने अपनी अस्थियों को दान कर दिया था। यहाँ वृत्रासुर अंग्रेजों के लिए प्रयुक्त किया गया है।

प्र॰ङ- आजकल के नौजवानों में कँगूरा बनने की होड़ क्यों मची है ?

उ॰- आजकल के नौजवानों में कँगूरा बनने की होड़ इसलिए मची हुई है क्योंकि सभी इज्जत और शोहरत चाहते है, कोई बलिदान करना नहीं चाहता।

प्र॰च- आज देश को कैसे नौजवानों की जरूरत है ?

उ॰- आज देश को ऐसे नौजवानों की जरूरत है जो नव निर्माण और देश के हर क्षेत्र के विकास के काम के लिए अपने-आप को चुपचाप खपा दे। उनमें नई प्रेरणा और नई चेतना हो तथा शाबासी और

"All the work you do, is done for your own salvation, is done for your own benefit." — Swami Vivekananda

प्रसिद्धि पाने की चाह न हो।

आशय स्पष्ट कीजिए

(क) "सुंदर समाज बने ---- सेहरा पहनना है।

आशय-

प्रस्तुत पंक्ति का आशय है कि समाज के विकास के लिए ऐसे लोगों की आवश्यकता है जो पूरे अनुभवी हो और समाज के विकास के लिए सब कुछ करने को तैयार हो। इसके लिए कष्ट उठाने को भी तैयार हो। ऐसे लोगों को समाज की भलाई के लिए कार्य करने से आत्मिक सुख मिलता है।

(ख) वे नींव की ---- शहादत से चमकते हैं।

आशय-

प्रस्तुत पंक्ति का आशय है कि जिन लोगों ने ईसाई धर्म के प्रचार में अपने आप को अनाम उत्सर्ग कर दिया उन्हीं की शहादत से गिरिजाघर के कलश चमकते हैं।

रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए -

नोट- पुस्तक में से पंक्तियाँ ढूंढकर बच्चे स्वयं करें।

विषय वस्तु बोध-

नीचे दिए गए गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर संबंधित प्रश्नों के उत्तर लिखिए-

वह ईंट, जिसने ---- या व्यक्ति का।

प्र.क- लेखक ने नींव की ईंट किसे बताया है?

Date __/__/__ Page No.: _____

उ०- लेखक ने उन व्यक्तियों को नींव की ईंट कहा है जो किसी महान कार्य के लिए चुपचाप अपना बलिदान दे जाते है।

प्र०2 नींव की ईंट का क्या अर्थ है?

उ०- यहाँ नींव की ईंट का अर्थ है किसी महान कार्य लिए बिना किसी प्रकार की प्रसिद्धि की इच्छा रखते अपना बलिदान देने वाला व्यक्ति।

प्र०3- सुंदर सृष्टि से क्या अभिप्राय है?

उ०- सुंदर सृष्टि से अभिप्राय है-सुन्दर संसार।

प्र०4- क्या सुंदर सृष्टि बलिदान खोजती है?

उ०- हाँ, सुंदर सृष्टि बलिदान खोजती है क्योंकि बिना बलिदान के सुंदर राष्ट्र का निर्माण नहीं हो सकता चाहे वह बलिदान ईंट का हो या व्यक्ति का।

भाषा-बोध —

1. दिए गए शब्दों के समानार्थी शब्द लिखिए-

शोभा	- सौंदर्य	लुप्त	- लोप
उत्सर्ग	- बलिदान	कामना	- इच्छा
जंगली	- असभ्य	शासक	- शासनकर्ता (राजा)
पायदारी	- मज़बूती	वासना	- इच्छा
मूढ़	- मूर्ख	आतुर	- उतावला

2 पाठ में से निम्नलिखित के लिए विशेषण लिखिए-

इमारत — चमकीली, सुंदर, सुघड़

ईंट — मज़बूत, पुख्ता, पक्की लाल

जमीन — ×

कलश — ×

फूल — ×

"All the work you do, is done for your own salvation, is done for your own benefit." —Swami Vivekananda